आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 31.12.2025 समय : 1905

<><><><><><><>

- सीबीएसई ने कक्षा दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं की संशोधित तिथियों की घोषणा की।
- 'परीक्षा पे चर्चा' की आगामी कड़ी के लिए तीन करोड़ से अधिक पंजीकरण दर्ज करके इतिहास रचा।
- दक्षिण अंडमान जिले में वीआईपी दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने ड्रोन एवं अन्य हवाई गतिविधियों पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया है।
- अंडमान लॉ कॉलेज में आज प्री–मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर का उद्घाटन किया गया।

<><><><><><><>

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड –सीबीएसई ने कक्षा दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं की संशोधित तिथियों की घोषणा की है। सी बी एस ई के अनुसार कक्षा दसवीं की परीक्षा जो पहले 3 मार्च को निर्धारित थी वे अब ग्यारह मार्च को आयोजित की जाएगी। वहीं कक्षा बारहवीं की परीक्षा की तिथि 3 मार्च के स्थान पर अब दस अप्रैल को आयोजित की जाएगी। बोर्ड ने बताया कि प्रशासनिक कारणों से तिथियों में यह बदलाव किया गया है।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रमुख पहल परीक्षा पे चर्चा ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। कल तक तीन करोड़ से अधिक पंजीकरण दर्ज किए गए। शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि भागीदारी का व्यापक स्तर परीक्षा पे चर्चा को एक सच्चा जन आंदोलन साबित करता है। देशभर के छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने कार्यक्रम में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया है, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

<><><><><><><>

वर्ष 2025 भारत की विकास यात्रा में एक निर्णायक वर्ष रहा है। इस वर्ष कई नीतियों का देश की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान रहा और मजबूत इरादों ने सार्थक परिणाम दिए। हमारी विशेष श्रृंखला 'सुधारों का वर्ष' में आज हम चर्चा कर रहे हैं– 2025 में भारत किस तरह दुनिया के नए उत्पादक देश के रूप में उभरा।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश के अनुसार दक्षिण अंडमान जिले में वीआईपी दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने ड्रोन एवं अन्य हवाई गतिविधियों पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया है। 2 से 4 जनवरी 2026 तक कुछ क्षेत्रों में ड्रोन उड़ाने, संचालन या उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रतिबंधित क्षेत्रों में वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, आईटीएफ ग्राउंड, डीब्रेट, लोक निवास, वंडूर, चिड़िया टापू तथा नेताजी स्टेडियम क्षेत्र शामिल हैं। इस अवधि में ड्रोन के साथ–साथ पैरा–ग्लाइडिंग, पैराशूट जंपिंग एवं अन्य समान हवाई गतिविधियां भी प्रतिबंधित रहेंगी। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की

धारा दो सौ तेईस सहित अन्य लागू कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

<><><><><><><>

अंडमान लॉ कॉलेज में आज प्री–मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर का उद्घाटन किया गया। यह केंद्र राष्ट्रीय महिला आयोग के क्षमता निर्माण सेल की एक पहल है, जिसकी टैगलाइन 'तेरे मेरे सपने' रखी गई है। यह देश का चौसठवाँ और अंडमान निकोबार द्वीप समूह केंद्र शासित प्रदेश का पहला केंद्र है। समाज कल्याण निदेशालय के निदेशक, रविंदर कुमार ने कॉलेज के छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों की उपस्थिति में इस केंद्र का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में श्री रविंदर कुमार ने कहा कि विवाह पूर्व तैयारी की कमी से वैवाहिक कलह, असंतोष और आपसी तालमेल में कमी आती है। उन्होंने कहा कि युवा साथियों के लिए विवाह पर विचार–विमर्श और चर्चा करके निर्णय लेना उचित होगा, और PMCC इसमें सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने केंद्र को मंजूरी देने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा विजया रहातकर का आभार व्यक्त किया। केंद्र के संचालन के तरीके से प्रभावित होकर, अध्यक्षा ने अंडमान लॉ कॉलेज को यह PMCC स्वीकृत किया।

<><><><><><><>

ए एन एम और सी एच ओ के लिए अनीमिया मुक्त भारत पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयुष अस्पताल के सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बच्चों, किशोरों, महिलाओं और गर्भवती माताओं में अनीमिया से मुकाबला करना था। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. एच.एम. सिद्धाराजू, परिवार कल्याण उप निदेशक डॉ. बी. अजीत कुमार और आयुष के उप निदेशक डॉ. कल्याण पी. कधबाने उपस्थित थे। स्वास्थ्य सेवा निदेशक, डॉ. एच.एम. सिद्धाराजू ने स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और सामुदायिक स्तर पर टेस्ट, ट्रीट और टॉक – जांच, उपचार और चर्चा शिविरों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों से कुल तीस एएनएम और पच्चीस सीएचओ ने इस कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

<><><><><><><>

प्रातरापुर ब्लॉक की 27 से 28 दिसंबर तक आयोजित ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता 2025–26 का समापन हो गया। जिसका कल अंडमान महिला मंडल, में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में सभी विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और खेल भावना के लिए पुरस्कार, प्रमाण पत्र और स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अंडमान लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पी. वी. एन. शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने युवाओं के चरित्र निर्माण, आत्मविश्वास और नेतृत्व गुणों को आकार देने में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में चिन्मय मिशन के अध्यक्ष, स्वामी शुद्धानंद सरस्वती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जो जीत हासिल नहीं कर पाते, वे भी विजेता हैं। माय भारत के संयुक्त निदेशक सुखरंजन विश्वास ने युवाओं को सशक्त बनाने और खेल जैसी

रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के 'माय भारत' के मिशन पर प्रकाश डाला।

<><><><><><><><>